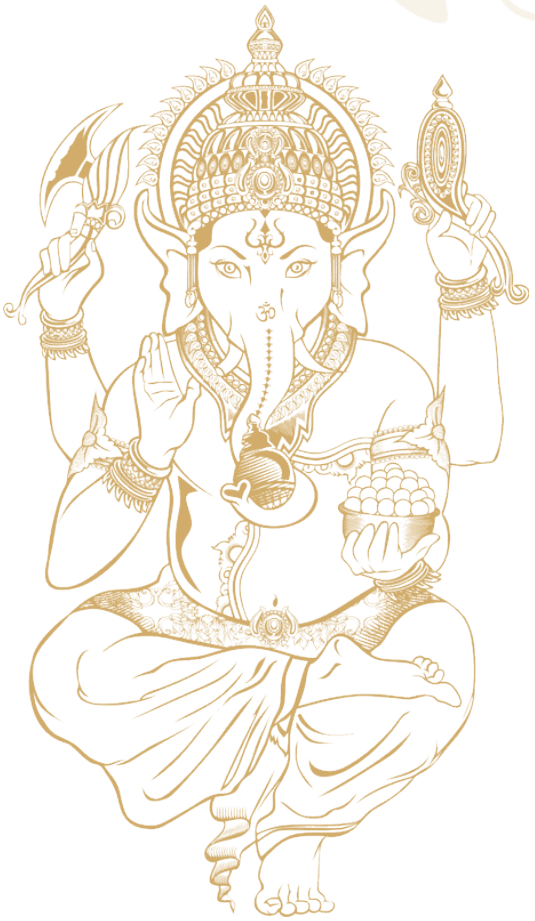

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/03/1997	जन्म तिथि	04/06/1999
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	09:45:00 घंटे
घटी 40:38:39	जन्म समय(घटी)	11:04:58 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Saharanpur
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:32	सूर्योदय	05:19:00
18:35:47	सूर्यास्त	19:17:14
23:49:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:44

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 15वर्ष 5मा 12दि	05:03:13	वृश्चि	लग्न	कर्क	17:32:56	चन्द्र 7वर्ष 2मा 28दि
बुध	14:14:07	मीन	सूर्य	वृष	19:17:01	राहु
09/09/2012	05:49:29	वृश्चि	चंद्र	मक	13:40:25	01/09/2013
09/09/2029	28:37:14	सिंह व	मंगल व	तुला	00:36:09	01/09/2031
बुध 05/02/2015	00:11:11	मेष	बुध	मिथु	00:29:49	राहु 14/05/2016
केतु 02/02/2016	20:35:45	मक	गुरु	मेष	01:47:08	गुरु 08/10/2018
शुक्र 03/12/2018	12:59:49	मीन	शुक्र	कर्क	04:26:18	शनि 14/08/2021
सूर्य 10/10/2019	16:09:07	मीन	शनि	मेष	17:34:20	बुध 02/03/2024
चन्द्र 10/03/2021	04:52:53	कन्या व	राहु व	कर्क	20:51:11	केतु 20/03/2025
मंगल 07/03/2022	04:52:53	मीन व	केतु व	मक	20:51:11	शुक्र 20/03/2028
राहु 24/09/2024	14:01:00	मक	हर्ष व	मक	22:52:39	सूर्य 12/02/2029
गुरु 31/12/2026	05:49:09	मक	नेप व	मक	10:18:54	चन्द्र 14/08/2030
शनि 09/09/2029	11:40:12	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	15:10:21	मंगल 01/09/2031

लग्न-चलित

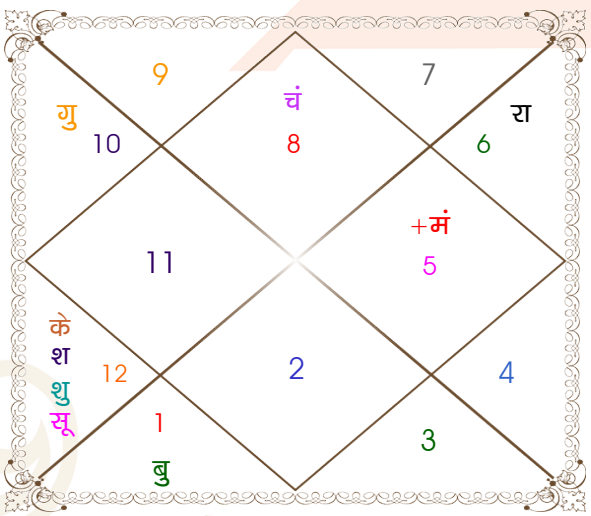

लग्न-चलित

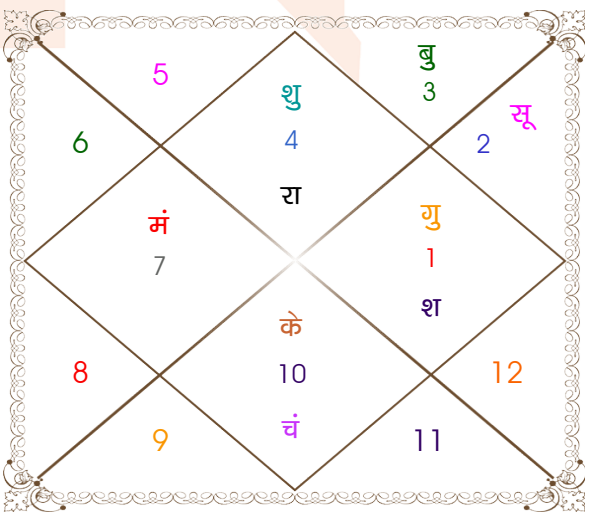

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।